सूरत में सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान कार्यक्रम में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

- गुजरात के व्यावसायिक एवं औद्योगिक केंद्र सूरत में आप सभी सामाजिक संगठनों के साथ इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप सबने मेरा जिस भव्य तरीके से स्वागत किया, उसके लिए आपका आभार।

- विश्व में आज सूरत नगर को सभी जानते हैं क्योंकि विश्व के कुल डायमंड तथा कीमती stones के 90 प्रतिशत की polishing एवं finishing का काम इसी नगर में होता है। इसलिए एक प्रकार से आपका नगर विश्व का ज्वेलरी capital है।

- आज सूरत की जो पहचान है उसे दिलाने में विभिन्न राज्यों से आने वाले कारीगरों तथा उद्यमियों की भूमिका है। आप सभी देश के अलग- अलग हिस्सों से यहाँ आए और अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम के बल पर सफलता अर्जित की।

- मेरे प्रदेश राजस्थान से भी यहाँ बड़ी संख्या में लोग आए और अपनी मेहनत तथा योग्यता के कारण सफल हुए। राजस्थान के समाज की यही विशेषता है – हम जहां भी जाते हैं, उसे अपना बना लेते हैं। हमने देश के अन्य हिस्सों की संस्कृतियों से सीखा भी है और उन्हें समृद्ध भी किया है। अपने परिश्रम से हमने प्रदेशों की अर्थव्यवस्था भी समृद्ध की है।

- देश का ऐसा कोई राज्य और दुनिया का ऐसा कोई देश नहीं होगा, जहाँ हमें राजस्थानी भाई-बंधु नहीं मिलें! कोई भी जगह हो, कोई भी देश-प्रदेश हो, हमें कोई न कोई राजस्थानी भाई जरूर मिल जाते हैं।

- और मैंने देखा है कि जो कोई राज्य व्यापार, व्यवसाय, उद्योग, अर्थव्यवस्था में उन्नति करता है, उसमें राजस्थान के बंधु-बांधवों की भी भूमिका ज़रूर रहती है।

- मरुधरा के लोग अपने परिश्रम और संकल्प के बल पर नवाचार करते हैं, काम-धंधों को विस्तार देते हैं, लोगों को जोड़ते हैं तथा 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करते हैं।

- इस नगर में विकास एवं उन्नति के इतने अवसर उपलब्ध हैं कि इसने राजस्थान ही नहीं बल्कि देश के कोने- कोने से परिश्रमी एवं प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित किया है और उन्हे फलने-फूलने का अनुकूल अवसर दिया है। इसके लिए यहाँ के प्रशासन तथा नागरिकों की भी सराहना की जानी चाहिए।

- मैं देख रहा हूँ कि यहाँ सिन्धी समाज के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। सिन्धी लोगों का एक गौरवशाली इतिहास रहा है, समृद्ध सांकृतिक परम्पराएं रही हैं। मात्र व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अध्यात्म के क्षेत्र में भी उन्होंने देश में अग्रणी भूमिका निभाई है।

- भारतवासी होने के नाते हमारे लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि इस विशाल देश में अपनी मातृभूमि को छोड़ देश के सुदूर हिस्सों में भी जाकर काम करने वाले नागरिकों के लिए आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

- हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों का भी ऐसा ही विजन था कि एक ऐसे देश का निर्माण हो, जहां सभी के बीच समानता हो, समान अवसर हों, समान अधिकार हों, समान कर्तव्य हों और भारतीयता की भावना सबके अंदर समान रूप से विद्यमान हो।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी केंद्र सरकार ने भी 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' की भावना से काम किया है और देश को सभी क्षेत्रों में आगे ले जाने का काम किया है।

- यही कारण है कि वैश्विक महामारी एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद हमारा देश आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ रहा है, जबकि दुनिया के बहुत सारे देशों में आर्थिक कठिनाइयां रही हैं।

- यह सब केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों से ही संभव हो पाया है। परंतु किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सामाजिक संगठन जनता के साथ अधिक निकट संपर्क में होते हैं, जनता को दैनिक रूप से होने वाले कष्टों एवं समस्याओं का उन्हें अधिक ज्ञान होता है।

- अभी हमने देखा कि कोविड महामारी के दौरान किस प्रकार सरकार के साथ सामाजिक संगठनों ने कंधे से कंधा मिलकर काम किया और जनता के कष्ट को दूर करने का प्रयास किया। आक्सिजन सिलिन्डर की कमी हो या अस्पताल में भर्ती करना हो, सामाजिक संगठनों ने इसमें उल्लेखनीय कार्य किए।

- यही हमारी शक्ति और सामर्थ्य है। जिस प्रकार प्राकृतिक एवं अन्य आपदाओं के समय पूरा देश एक हो जाता है, सभी मिल-जुलकर सामूहिकता की भावना से संकट का सामना करते हैं, सभी अपने सामर्थ्य के अनुसार पूरी सहायता करते हैं। यह उल्लेखनीय है।

- शिक्षा, पोषण, रोजगार, स्वास्थ्य जैसे मूलभूत मुद्दों पर देश और राज्यों की सरकारें योजनाएं बनाती हैं, उनका क्रियान्वयन करती हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि समाज का कोई न कोई व्यक्ति ऐसा रह जाता है जिसे जरूरत होती है, लेकिन उसे लाभ नहीं मिल पाता है।

- ऐसे में जागरूक नागरिकों की और समाज के भामाशाहों की ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे ज़रूरतमन्द व्यक्ति तक पहुँचें, उनका कल्याण सुनिश्चित करें।

- लास्ट माइल कनेक्टिविटी सामाजिक संगठनों की शक्ति है, जिससे सरकारी योजनाओं एवं नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

- आप सभी सामाजिक संगठनों को मेरा सुझाव रहेगा, आप अपने-अपने क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से निकट संपर्क रखें। चाहे ग्राम पंचायत स्तर का जनप्रतिनिधि हो, अथवा नगरपालिका का, विधान सभा का सदस्य हो या संसद का सदस्य हो, आप उनके कार्यों को देखें तथा उन्हें निरंतर अपने सुझाव देते रहें।

- इससे न सिर्फ जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान निकलेगा, बल्कि शासन की जवाबदेही बढ़ेगी और शासन में पारदर्शिता भी आएगी।

- आप जनता के अधिकारों और कर्तव्यों के संबंध में भी सबको जागरूक करने का प्रयास करें ताकि वे अपने राष्ट्रीय दायित्वों को और बेहतर तरीके से निभा सकें।

- सरकार तथा संसद द्वारा नागरिकों के बीच संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में जागरूकता और ज्ञान में वृद्धि के लिए देशव्यापी Know Your Constitution अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता में आपका योगदान भी आवश्यक है।

- जब हम 21वीं सदी में भारत को विश्व गुरु बनाने की बात करते हैं, तो हमें इसी भावना के साथ काम करने की आवश्यकता है। सामूहिकता के भाव के साथ नवभारत के निर्माण मिशन में हमें जुटना होगा।

- **साथियों**, भारत इस वर्ष अपनी आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ मना रहा है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के रूप में हम अपनी स्वाधीनता की सालगिरह को उत्सव रूप में मना रहे हैं।

- आज़ादी के इस 75वें वर्ष से 25 साल बाद **आज़ादी की 100वीं वर्षगाँठ** तक का समय देश के लिए अमृतकाल की तरह है जब हम अपने समर्पण और परिश्रम से देश के विकास में नए आयाम विकसित कर सकते हैं, नए अध्याय जोड़ सकते हैं।

- पूरे देश को मिलकर सामूहिकता से यह विचार करना होगा कि अपने प्रयासों से हम अगले 25 वर्षों में भारत को किस ऊँचाई पर लेकर जा सकते हैं। आज़ादी के 75वें वर्ष से शताब्दी वर्ष की यात्रा का आगामी 25 वर्षों का समय हमारे राष्ट्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

- राष्ट्र और समाज की बेहतरी में आप गणमान्यजनों ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

- आप संकल्प लीजिए कि देशहित में आपके कार्यों, आपकी भूमिका का और अधिक विस्तार हो। 2047 में जब हम अपनी आजादी की **100वीं वर्षगाँठ** मनाएं, तो आपकी भूमिका उसमें प्रमुख रूप से सामने आए।

- मैं आप सभी को एक बार फिर शुभकामनाएं देता हूँ। आप भविष्य में और बेहतर काम कर सकें, जनहित में आपके कार्य और प्रयास सफ़ल हो, ऐसी अभिलाषा करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।